22 वीरों का कैसा हो वसन्त



सुभद्राकुमारी चौहान
(जन्म : सन् 1904 ई. : निधन : सन् 1948 ई.)

सुभद्राकुमारी चौहान का जन्म प्रयाग में ठाकुर रामनाथ के घर हुआ था। कास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में आपने शिक्षा प्राप्त की। आपका विवाह खण्डवा निवासी ला. लक्ष्मणसिंह चौहान के साथ संपन्न हुआ। सुभद्राकुमारी चौहान ने कांग्रेस के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के लिए अपना अध्ययन छोड़ दिया और पति को भी देश-सेवा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सन् 1947 ई. की 15 फरवरी को जबलपुर के समीप एक मोटर दुर्घटना में उनका देहान्त हो गया। सुभद्राकुमारी चौहान न केवल स्वतंत्रता सेनानी रही वरन् उन्होंने साहित्य-सृजन भी विपुल मात्रा में की। 'मुकुल' व 'त्रिधारा' इनके काव्य-संग्रह हैं। बिखरे मोती, उन्मादिनी, सीधे-साधे चित्र, कहानी-संग्रह हैं। बिखरे मोती नामक पुस्तक पर उन्हें सकसेरिया पुरस्कार प्रदान किया गया था। सुभद्राकुमारी चौहान की भाषा-शैली सरल और सुबोध हैं।

प्रस्तुत कविता वीरों की शूरवीरता को प्रोत्साहित करती हुई उत्तम काव्यरचना है। पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण चारों दिशाऐं पुकार रही है। पर्वत-हल्दी-घाटी सिंह-गढ़ भी तैनात हो गए हैं तो वीरों का कैसा हो वसन्त कहकर कवयित्रीने शूरवीरों का उत्साह बढ़ाया है।

वीरों का कैसा हो वसन्त?
आ रही हिमाचल से पुकार,
है उदधि गरजता बार-बार,
प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार,
सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?
फूली सरसों ने दिया रंग,
मधु लेकर आ पहुंचा अनंग,
बधु-वसुधा पुलकित अंग-अंग,
हैं वीर वेष में किन्तु कन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?
भर रही कोकिला इधर तान,
मारु बाजे पर उधर गान,
है रंग और रण का विधान,
मिलने आए हैं आदि-अन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?
कह दे अतीत अब मौन त्याग?
लंके! तुझ में क्यों लगी आग,
ए कुरुक्षेत्र! अब जाग, जाग,
बतला अपने अनुभव अनन्त,
वीरों का कैसा हो वसन्त?
हल्दी-घाटी के शिला-खण्ड,
ए दुर्ग सिंह-गढ़ के प्रचण्ड,
राणा-ताना का कर घमण्ड,
दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत,
वीरों का कैसा हो वसन्त?
भूषण अथवा कवि चन्द नहीं;
बिजली भर दे वह छन्द नहीं,
है कलम बँधी स्वछन्द नहीं,
फिर हमें बतावें कौन? हन्त!
वीरों का कैसा हो वसन्त?

शब्दार्थ और टिप्पणी

उदधि समुद्र **प्राची** पूर्व दिशा **नभ** आकाश **दिग् दिगन्त**, अनन्त **मधु** भँवरा **वसुधा** पृथ्वी **कन्त** स्वामी **मारु** एस वाद्य यंत्र **अतीत** भूतकाल **घमण्ड** अभिमान

स्वाध्याय

1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

(1) बार-बार कौन गरजता है ?

(2) प्रकृति के तत्त्व क्या पूछ रहे हैं ?

(3) बधु-वसुधा में क्या परिवर्तन आया ?

(4) कवयित्री कुरुक्षेत्र से क्या कहते हैं ?

(5) कवयित्री की कलम की क्या विशेषता है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) वीरों का कैसा है वसन्त ? ऐसा कौन-कौन पूछ रहे है ?

(2) 'कह दे अतीत अब मौन त्याग' ऐसा कवयित्रीने क्यों कहा है ?

(3) किन ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर कवयित्रीने 'वीरों का वसन्त' बताया है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

(1) ''वीरों का कैसा है वसन्त-'' इस पंक्ति को अपने शब्दों में कविता के आधार पर समझाइए।

(2) हल्दी-घाटी और सिंह-गढ़ से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(3) ''है कलम बँधी स्वच्छन्द नहीं''- ससंदर्भ समजाइए।

योग्यता-विस्तार

विद्यार्थी-प्रवृत्ति

- शहीदों की सूची एवं उनके कार्यों का संकलन कीजिए।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- शहीदों पर लिखी हुई कविताओं का संकलन करवाइए।
- शहीदों के स्मारकों की मुलाकात करवाइए।
- देशभक्ति के गीतों का संकलन करें।

●